४६. राह दिखाओ

राह दिखाओ । राह दिखाओ । मै अपना पथ भूल गया हूँ ॥धृ.॥
मोहभरी मायासे हटाओ । मै अपना जग भूल गया हूँ ॥

भूल गया मैं ध्यान तिहारो ।
भूल गया सतकाम तिहारो ।
भटकत भटकत भूल पडी सब ।
मैं तुमकोभी भूल गया हूँ ॥१॥

कैसे कहूँ यह तेरी माया ।
कैसे कहूँ यह तूने रचाया ।
क्या तू ही बहकाता सबको ।
मैं मायासे लूट गया हूँ ॥२॥

शास्त्र न कोई देते दिलासा ।
एक मेरा है तुझपे भरोसा ।
'मधुसूदनकी' मेहेर आशा ।
मैं सबसे अब रूठ गया हूँ ॥३॥

Scanned by CamScanner